भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या-450**
उत्तर देने की तारीख-05/02/2024

**शिक्षा के लिए केंद्र-प्रायोजित योजनाओं का कार्यान्वयन**

**†450. डॉ. निशिकांत दुबे:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा विशेषकर झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के क्षेत्र में कार्यान्वित की जा रही केन्द्र प्रायोजित योजनाओं/कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है और विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान इन योजनाओं से कितने लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं;

(ख) उक्त अवधि के दौरान ऐसी योजनाओं/कार्यक्रमों के लिए कितनी धनराशि आबंटित की गई है;

(ग) क्या सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में केन्द्र द्वारा प्रायोजित विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)**

(क) और (ख): शिक्षा मंत्रालय झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे देश में शिक्षा के क्षेत्र में समग्र शिक्षा, पीएम पोषण, नव भारत साक्षरता कार्यक्रम (एनआईएलपी) एवं प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-ऊषा) जैसी केंद्रीय प्रायोजित योजनाएं लागू कर रहा है।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा झारखंड राज्य में चालू वित्तीय वर्ष सहित विगत तीन वर्षों के दौरान केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं जैसे समग्र शिक्षा, पीएम पोषण, एनआईएलपी एवं पीएम-ऊषा के तहत जारी निधियों का विवरण नीचे दिया गया है:

(रुपये करोड़ में)

| **योजना** | **2020-21** | **2021-22** | **2022-23** | **2023-24** |
|---|---|---|---|---|
| समग्र शिक्षा* | 865.61 | 858.97 | 1154.52 | 533.72 (आज की स्थिति के अनुसार) |
| पीएम पोषण* | 352.04 | 251.89 | 384.24 | 148.33 |
| एनआईएलपी* | 5.52 (वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक) | | | |
| पीएम-ऊषा** | 12.42 | 23.49 | _ | _ |

*स्रोत: प्रबंध

**स्रोत: डीओएचई

झारखण्ड राज्य में उपर्युक्त केन्द्र प्रायोजित योजनाओं के लाभार्थियों की संख्या निम्नवत है-

| **केंद्रीय प्रायोजित योजना** | **लाभार्थियों की संख्या** | | | |
|---|---|---|---|---|
| | **2020-21** | **2021-22** | **2022-23** | **2023-24** |
| समग्र शिक्षा | 4452775 | 4794092 | 4570314 | 4608535 |
| पीएम पोषण | 3110617 | 3338513 | 3045373 | 3035212 |
| एनआईएलपी | - | - | 285000 | 1423308 |

(स्रोत: झारखंड सरकार)

(ग) और (घ): भारत सरकार पूर्ववर्ती केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) एवं शिक्षक शिक्षा (टीई) का विलय कर स्कूल शिक्षा हेतु एक एकीकृत योजना समग्र शिक्षा का वर्ष 2018-19 से कार्यान्वयन कर रही है। उक्त योजना में स्कूल शिक्षा को निरंतरता के रूप में पहचाना गया है, जिसका विस्तार प्री-स्कूल से लेकर कक्षा 12 तक है तथा इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे देश में स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर सभी छात्रों को समावेशी एवं समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित कराना है।

****